

दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोक, अलवर एवं कोटा

■ Since : 2004

/// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 15 | अंक : 274

जयपुर | गुरुवार, 07 अगस्त, 2025 | श्रावण, शुक्ल पक्ष-त्रयोदशी संवत्-2082

भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

| मूल्य : ₹2.00 | पृष्ठ : 10

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badhatarajasthan

संक्षिप्त समाचार



कुबेरेश्वर धाम आए 3 और अद्भुतों की मौत, 3 घायल



बढ़ता राजस्थान

सीधोर (एजेंसी)। सीहोर में बुधवार को पंडित प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में कांवड़ यात्रा में शामिल होने आए तीन और लोगों की मौत हो गई। इनमें से एक की मौत धाम में अचानक चक्रवर्ती आकर गिरने से हुई है। जबकि दूसरे व्यक्ति की मौत एक होटल के सामने खेड़े-खेड़े गिर जाने से हुई है। एक शख्स की मौत का कानून हार्ट अटैक बताया जा रहा है। वहाँ एक महिला को अचूत हातवत में जिता अस्पताल लाया गया है। जबकि अलग-अलग कारणों से तीन लोग घायल हो गए हैं।

पीएम मोदी गलवान झाड़प के बाद पहली बार चीन जाएंगे

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नंदें मोदी एसएसोओ समिति में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। चीन दौरी 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन मैन्य झड़प के बाद मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। मोदी इसीसे पहले 2018 में वहाँ गए थे। बताएं प्रधानमंत्री पीएम मोदी की यह छठी चीन दौरा होगा। 70 सालों में सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचे। यहाँ वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में दिल्ली के लिए समिति के लिए चीन जाएंगे। चीन दौरी 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा।

जयशंकर ने चीन की दौरा यात्रा था, जहाँ उहाँने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विशेष मंत्री वांग थी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल सासाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिवर्धन, एलएसी पर तनाव देने और आतंकवाद और उत्तराखण्ड के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात के लिए चीन यात्रा का रोडमप तयार किया था।

बीसीसीआई को आरटीआई के दायरे में नहीं लाया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई अब भी आरटीआई के दायरे में नहीं आया। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पॉर्ट्स गवर्नेंस बिल में सांशेद बताया है। इसके अनुसार, अब केवल उहाँ खेल संगठनों को इसके दायरे में लाया गया है, जीसीसीआई खेल मंत्रालय के अर्थात् विभिन्न संगठनों को आरटीआई के अन्दर आयाने के बावजूद खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेते हैं। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पॉर्ट्स गवर्नेंस बिल में शामिल किया है। इसके अनुसार, अब केवल उहाँ खेल संगठनों को इसके दायरे में लाया गया है, जीसीसीआई खेल मंत्रालय के अर्थात् विभिन्न संगठनों को आरटीआई के अन्दर आयाने के बावजूद खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेते हैं। खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पॉर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 परे किया था। इस बिल में खेलों के विभास के लिए नेशनल स्पॉर्ट्स गवर्नेंस बोर्ड, नेशनल स्पॉर्ट्स बोर्ड, नेशनल स्पॉर्ट्स बोर्ड इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पॉर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं।

राजस्थान रोडवेज बस का सफर महंगा किया गया 10% से ज्यादा की बढ़ोतरी



बढ़ता राजस्थान

जयपुर (कास.)। राजस्थान रोडवेज की बस में सफर करना महंगा हो गया है। किसानों में 10% से ज्यादा की बढ़ोतरी की गई है। वहाँ दरें मंगलवार रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। रोडवेज ने सभी सुपर बस केटेरी जैसे साधारण, एक्सप्रेस, सेंट्री डीलवर्स, डीलवर्स, वाटानुकूलित और सुपर लग्जरी बसों में प्रति किलोमीटर किराया बढ़ा दिया है। साधारण बसों से लेकर अपने 10 से 20 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की अध्यक्ष शुभ्रा सिंह ने बताया- यह बढ़ोतरी सरकार की ओर से तय दरों के अनुसार की गई है। इसके तहत सभी श्रेणियों में औसत 10 प्रतिशत किराया बढ़ाया गया है।

ट्रम्प ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया अब कुल 50% टैरिफ; भारत बोला- ये कार्टवाई अन्यायपूर्ण, जल्दी कदम उठाएंगे

बढ़ता राजस्थान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उहाँने बुधवार को इसमें जुड़े एजीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से लागू होगा। एजीक्यूटिव ऑर्डर में कहा गया है कि रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया गया है। इससे पहले उहाँने 30 ज्यार्ल को भारत पर 25% टैरिफ लगाया था। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा।

आदेश 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से लागू होगा

भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस कार्टवाई को गलत बताया

विदेश मंत्रालय का अमेरिका को जवाब- अमेरिका ने हाल ही में भारत के रूस से किए जा रहे तेल आयात को निश्चान बनाया है। हमने पहले ही साफ कर दिया है कि हम बाजार की स्थिति के आधार पर तेल खरीदते हैं। और इसका मक्सद 140 रुपूर्द भारतीयों की ऊर्जा सुधा निश्चित करना है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगा रहा है, जबकि कई और देश भी अपने हित में यही काम कर रहे हैं। हम दोहराते हैं कि ये कदम अनुचित, नाजायज और गलत हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगा।



ट्रम्प के एजीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है-

- भारत आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दालियां बाले भाले के सामानों पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगू होगा।
- हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छुट्टी भी जीर्णी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि कुछ खास तारीख से पहली अमेरिका में पहुंच लगती है।
- इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रखी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक दिया था।
- अब ट्रम्प प्रैसास पर यह पाया कि भारत रसी तेल का खरीद रहा है, जिससे रसी को आर्थिक मदद मिल रही है। इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

कुछ भारतीय सामानों पर टैरिफ लागू नहीं होगा

- अप्रैल 2025 में जीर्णी एक और आदेश में छुट्टी खास उत्पादों से ही टैरिफ से छुट दी रही थी। यह अब भी जीर्णी रहेगा।
- इन सामानों में सेपी, कंडवर्स, स्मार्टफोन, लैपटॉप, फोनो-स्यूटिक्स, आइपोड्स, टांबा और अन्य धूत व खनिज शामिल हैं।
- इसका मतलब है कि भारत से होने वाले इन सामानों के जैसे जाने पर अब भी एक्स्ट्रा टैरिफ लागू नहीं होगा।
- इस आदेश में यह भी बायां गया है कि अग्रणी वित्तीय पर्याप्ती तक रही रहेगी। इससे रसायन का सकर्तव है, यानी टैरिफ की दर बढ़त सकते हैं हां या और नए प्रावधान जारी कर सकते हैं।

मंत्रालयों के लिए 1500 करोड़ किराया चुका रही सरकार डेली 8-10 हजार कर्मचारियों का आना-जाना; कर्तव्य भवन से यह परेशानी दूर होगी : पीएम मोदी

बढ़ता राजस्थान



एक ही बिलिंग में चल रही थी। अलग अलग मंत्रालयों के बिलिंग में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी। ये सिर्फ इमारत नहीं, करोड़ों लोगों के सपनों को साकार करने की खासी बाहरी तरफ से बहुत आवश्यक है। इससे भवन की वजह से कर्मचारियों का आना-जाना होता है। रोज 8-10 हजार कर्मचारी एक से दो दूसरे मंत्रालयों को आना-जाना होता है। इससे भी समय खराब होता है। इससे भवन की प्रतिमा बदल जाती है। ये एक बड़ी बदलाव होता है। अलग अलग मंत्रालयों के बिलिंगों को बदलने की जिम्मेदारी भी बहुत आवश्यक है। इससे भवन की वजह से कर्मचारियों की आना-जाना होता है। ये एक बड़ी बदलाव होता है। अलग अलग मंत्रालयों के बिलिंगों को बदलने की जिम्मेदारी भी बहुत आवश्यक है। इससे भवन की वजह से कर्मचारियों की आना-जाना होता है। ये एक बड़ी बदलाव होता है। अलग अलग मंत्रालयों के बिलिंगों को बदलने की जिम्मेदारी भी बहुत आवश्यक है। इससे भवन की वजह से कर्मचारियों की आना-जाना होता है। ये एक बड़ी बदलाव होता है। अलग अलग मंत्रालयों के बिलिंगों को बदलने की जिम्मेदारी भी बहुत आवश्यक है। इससे भवन की वजह से कर्मचारियों की आना-जाना होता है। ये एक बड़ी बदलाव होता है। अलग अलग मंत्रालयों के बिलिंगों को बदलने की जिम्मेदारी भी बहुत आवश्यक है। इससे भवन की वज

सम्पादकीय

कुदरत का कोहराम

मा नसून की दस्तक के साथ ही हिमचल व उत्तराखण्ड में दरकते पहाड़ व रोट्र रूप दिखाती नदियाँ चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के करर से सामने इंसान बाही ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियाँ उफान पर हैं। जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें टूट गई हैं। हिमचल में भूस्खलाधर बारिश के बीच मलबा व पथर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गम्भीर से त्रस्त होकर बारिश को आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तू तरावर्ष डराने वाली हो जाती है। निस्टेंट रोटर लोबल वार्मिंग संकेत के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रसानों व पानी के प्रक्रियक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थांत्र अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के

वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति-नियंत्रणों ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन-सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नीतिक वातावरण खबरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जागह-जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी के द्वारा भी बढ़ाया जाता है। यात्रियों के जीवन पर हार समय संकट बना रहता है।

हिमचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखण्ड भी बुरी तरह त्रस्त है। भारी रथी, अलकनंदा, मंदकिनी व पिंडी आदि नदियाँ खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। चारधाम यात्रा मार्ग पर हार समय संकट बना दिया है। बार-बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया

जा रहा है। जगह-जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जागह-जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी के द्वारा भी बढ़ाया जाता है। यात्रियों के जीवन पर हार समय संकट बना रहता है।

हिमचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखण्ड भी बुरी तरह त्रस्त है। भारी रथी, अलकनंदा, मंदकिनी व पिंडी आदि नदियाँ खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर हार समय संकट बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मार्ग डाल पर जल संकट का कारण भी बन रहा है।



नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विविसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितीकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से लोकशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है।

आज का इतिहास

बढ़ता राजस्थान

7 अगस्त की महत्वपूर्ण घटनाएं

- प्रसिद्ध न्यूटन ने 1668 में द्विनीटी कॉलेज कैंब्रिज से मास्टर डिग्री हासिल किया।
- ब्रिटिश स्मूजियम की स्थापना 1753 में पार्लियामेंट एकट के तहत की गई।
- उच्चत वका 1880 को पणित दुर्गासाद मित्र द्वारा प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र था।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1905 में ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार किया।
- रूस में 1914 में पूर्वी परिस्थिता पर हमला किया।
- 51 फॉट लंबाई, 8 फौट ऊँचाई और पांच टन के वजन वाले पहले इलेक्ट्रोनिक कैल्कुलेटर का निर्माण 1944 में हुआ।
- मुंबई नगर निगम को 1947 में बिजली और परिवहन व्यवस्था औपरांतिक रूप से हस्तान्तरित हुई।
- अमेरिका ने 1957 में नेवादा परिषेक स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1966 को नस्लभेदी दोंगे भड़के।
- गंत संस्कृती 1985 में विश्व अमेरिका विलिंग्डॉन चैरियर्स नियंत्रण जीतने वाले तोपें भारतीय बने।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- प्रसिद्ध नगर निगम को 1947 में बिजली और परिवहन व्यवस्था औपरांतिक रूप से हस्तान्तरित हुई।
- अमेरिका ने 1957 में नेवादा परिषेक स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1966 को नस्लभेदी दोंगे भड़के।
- गंत संस्कृती 1985 में विश्व अमेरिका विलिंग्डॉन चैरियर्स नियंत्रण जीतने वाले तोपें भारतीय बने।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- प्रसिद्ध नगर निगम को 1947 में बिजली और परिवहन व्यवस्था औपरांतिक रूप से हस्तान्तरित हुई।
- अमेरिका ने 1957 में नेवादा परिषेक स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1966 को नस्लभेदी दोंगे भड़के।
- गंत संस्कृती 1985 में विश्व अमेरिका विलिंग्डॉन चैरियर्स नियंत्रण जीतने वाले तोपें भारतीय बने।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गिरे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- प्रसिद्ध नगर निगम को 1947 में बिजली और परिवहन व्यवस्था औपरांतिक रूप से हस्तान्तरित हुई।
- अमेरिका ने 1957 में नेवादा परिषेक स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1966 को नस्लभेदी दोंगे भड़के।
- गंत संस्कृती 1985 में विश्व अमेरिका विलिंग्डॉन चैरियर्स नियंत्रण जीतने वाले तोपें भारतीय बने।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गि�रे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- प्रसिद्ध नगर निगम को 1947 में बिजली और परिवहन व्यवस्था औपरांतिक रूप से हस्तान्तरित हुई।
- अमेरिका ने 1957 में नेवादा परिषेक स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1966 को नस्लभेदी दोंगे भड़के।
- गंत संस्कृती 1985 में विश्व अमेरिका विलिंग्डॉन चैरियर्स नियंत्रण जीतने वाले तोपें भारतीय बने।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गि�रे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- प्रसिद्ध नगर निगम को 1947 में बिजली और परिवहन व्यवस्था औपरांतिक रूप से हस्तान्तरित हुई।
- अमेरिका ने 1957 में नेवादा परिषेक स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1966 को नस्लभेदी दोंगे भड़के।
- गंत संस्कृती 1985 में विश्व अमेरिका विलिंग्डॉन चैरियर्स नियंत्रण जीतने वाले तोपें भारतीय बने।
- अमेरिका ने 1990 में सुरुदी अरब में सेना तैनात कर ऑपरेशन डेंजर शीट की शुरुआत की।
- इत्यरात और जॉर्डन के बीच पहली टेलीफोन सेवा 1994 में शुरू हुई।
- अमेरिकी वैज्ञानिकों द्वारा 13 हजार वर्ष पूर्व पृथ्वी पर गि�रे उल्का पिंड के अवशेषों से अपरिक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया।
- लैंसिंग, मिशिगन में 1991 में एक बार फिर भारत से वार्ता की प्रेक्षण की चलती।
- प्रसिद्ध नगर निगम को 1947 म

